

॥ श्रीः ॥
विद्याभवन प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला

७८

श्रीमार्कण्डेयपुराण भाषा टीका

टीकाकार



चौखम्बा विद्याभवन

(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक तथा वितरक)

ब्लॉक (बनारस स्टेट बैंक भवन के पीछे)

पो० बा० नं० १०६९

वाराणसी २२१००१

सर्वाधिकार सुरक्षित

मूल्य ४००-०० रु. पत्राकार ३५०-०० रु.

संस्करण १९९५

अथ मार्कण्डेयपुराणभाषाटीकाकी-विषयानुक्रमणिका ।

अध्यायः	विषयः	पत्रम्.	अध्यायः	विषयः	पत्रम्.	अध्यायः	विषयः	पत्रम्.	अध्यायः	विषयः	पत्रम्.
१	जैमिनिके महाभारतविषयक प्रश्न और मार्कण्डेयका वपुअप्सरा शापकथन	१	याकथन	१३	१२	नरकविवरण ...	४१	अनुग्रह	६२		
२	चटकचतुष्टयकी उत्पत्ति	२	६ बलदेवजीकी ब्रह्महत्या-जनित पापप्रक्षालनार्थ तीर्थयात्राका कारणवर्णन	१५	१३	यमदूतसे विदेहराजकीवार्ता	४३	१८	कुवलयाश्वको कुवल्य-नामक अश्वका मिलना	६४	
३	शमीक मुनिके समीप पक्षियोंका निजशापवृत्तान्त कहकर विंध्याचलमें जाना	७	७ द्रौपदीके पांच पुत्र अवि-वाहित अवस्थामें मृत्युको प्राप्तहुए इसकाकारणवर्णन	१६	१४	कर्मफलजनित नरकया-तनावर्णन	४४	१९	कुवलयाश्वका पाताल-गमन, मदालसापरिणय और सेनासहित पाताल केतु दैत्यका वध ...	६६	
४	चटकगणोंके समीप जैमिनि-के पूर्वोक्त चार प्रश्न और पक्षियोंकेद्वारा भगवान्का चतुर्व्यूहावतार और प्रथम प्रश्नोत्तरकथन ...	११	८ हरिश्चन्द्रका उपाख्यान ...	२०	१५	कर्मविपाक और प्राणि-योंका नरकसे छुटकारा	४९	२०	मदालसावियोग ...	७२	
५	द्रौपदीके पांच पति होनेका कारण और इन्द्रविक्रि-		९ आडिक्कयुद्ध... ..	३३	१६	पतिव्रतामाहात्म्य और अनसूयाको वरलाभ ...	५३	२१	तपस्याके प्रभावसे अश्व-तरको मदालसाकी प्राप्ति और कुवलया श्वका नागराजाके घर जाना	७४	
			१० प्राणियोंके जन्मादि-विषयमें प्रश्न और पिता-पुत्रसम्वादवर्णनद्वारा जीषविपात्तिकथन ...	३५	१७	पतिव्रतामाहात्म्य और अनसूयाको वरलाभ ...	५३	२२	कुवलयाश्वको पुनर्वार मदालसाप्राप्ति ...	७९	
			११ प्राणियोंकी उत्पत्तिकाक्रम	४०		" चन्द्र, दत्तात्रेय और दुर्वासाकी उत्पत्ति ... "					
						" कार्तवीर्य अर्जुनके प्रति गर्वमुनिका उपदेश और दत्तात्रेय वृत्तान्तवर्णन ... "					
						१७	कार्तवीर्यके प्रति दत्तात्रेयका				

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
२३	मदालसाका पुत्र उल्लापन	८२
२४	राजधर्मकथन	८५
२५	वर्णाश्रमधर्मकीर्तन	८६
२६	गार्हस्थ्यधर्मनिरूपण	८८
२७	नित्य नैमित्तिकादि श्राद्ध- कल्प	९०
२८	पार्वणश्राद्धकल्प	९२
२९	श्राद्धमें प्रशस्ताप्रशस्त- निरूपण	९५
३०	काम्यश्राद्धफलकथन	९६
३१	सदाचारवर्णन	९७
३२	वज्रवैज्यकथन	१०३
३३	अलर्कको शासनयुक्त अंगुलीकी प्राप्ति	१०७
३४	अलर्कको आत्मविवेक	१०८
३५	दत्तात्रेयसे अलर्कका योग पूछना	११०

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
३६	योगाध्याय	१११
३७	योगसिद्धि	११४
३८	योगिचर्या	११६
३९	ओङ्कारस्वरूपकथन	११७
४०	अरिष्टकथन	११८
४१	अलर्ककी योगसिद्धि एवं जड और उसके पिताकी तपस्या	१२२
४२	ब्रह्माण्ड और ब्रह्मोत्पत्ति- कथन	१२४
४३	ब्रह्माजीकी आयुका परिमाण	१२७
४४	प्राकृत और वैकृत सृष्टि- कथन	१२९
४५	देवादिकी सृष्टिका वर्णन	२३१
४६	मिथुनसृष्टि और स्थान- कल्पना	१३२

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
४७	यक्षानुशासन	१३६
४८	दौःसहोत्पत्ति	१४१
४९	रुद्रादिसृष्टि	१४७
५०	स्वायम्भुवमन्वन्तर- कथन (१)	१४८
५१	जम्बूद्वीपवर्णन	१५०
५२	जम्बूद्वीपके वनपर्वता- दिका विवरण	१५१
५३	गंगावतार	१५२
५४	भारतवर्षविभाग	१५३
५५	कूर्मसंस्थान	१५६
५६	भद्राश्वादिवर्षवर्णन	१५९
५७	किम्पुरुषादिवर्षवर्णन	१६१
५८	स्वारोचिषमन्वन्तरारम्भ (२) ब्राह्मणवरूथिनी- संवाद	१६२
५९	कलिवरूथिनीसमागम	१६५

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
६०	स्वारोचिका जन्म और मनोरमाके संग विवाह	१६७
६१	मनोरमाकी दोनों सखि- योंके संग स्वारोचिका विवाह	१७०
६२	चक्रवाकी और मृगका स्वारोचिको तिरस्कार	१७१
६३	स्वारोचिष मनुकी उत्पत्ति	१७२
६४	स्वारोचिषमन्वन्तर- कथन	१७४
६५	निधिनिर्यय	१७४
६६	औत्तममन्वन्तरारम्भ- म्भ (३) नृपति उत्तमका अपनी भार्याका त्याग और द्विजभार्याका हूँदना	१७७
६७	द्विजभार्याको उसके पतिके घर भेजना	१८०
६८	ऋषिके संग उत्तमका	

अध्यायः	विषयः	पत्रम्.
	कथोपकथन ...	१८२
६९	औत्तममनुकी उत्पत्ति	१८४
७०	औत्तममन्वन्तरकथन	१८६
७१	तामसमन्वन्तरवर्णन (४)	"
७२	रैवतमन्वन्तरवर्णन (५)	१८९
७३	चाक्षुषमन्वन्तरवर्णन (६)	१९३
७४	वैवस्वतमन्वन्तर आरम्भ (७) वैवस्वत मनुकी उत्पत्ति और विश्वकर्मा- का सूर्यशासन ...	१९६
७५	देव और ऋषिगणकर्तृक सूर्यका स्तव एवं अश्विनी- कुमार और रेवन्तकी उत्पत्ति ...	१९७
७६	वैवस्वतमन्वन्तरकथन	१९९
७७	सावर्णिक मन्वन्तर आरम्भ (८) सावर्णिक	

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
	मन्वन्तरके ऋष्यादि- कथन ...	२००
७८	देवीमाहात्म्य भृशुकैटभ- वध ...	"
७९	महिषासुरसैन्यवध ...	२०४
८०	महिषासुरवध ...	२०७
८१	शक्रादिकृत देवीस्तव...	२०९
८२	देवीसे शुभके दूतका कथोपकथन ...	२१२
८३	धूम्रलोचनवध ...	२१६
८४	चण्डमुण्डवध ...	२१७
८५	रक्तबीजवध ...	२१८
८६	निशुम्भवध ...	२२१
८७	शुम्भवध ...	२२२
८८	देवीस्तोत्र ...	२२४
८९	देवताओंको देवीका वरदान ...	२२६

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
९०	सुरथ और वैश्यको देवीका वरदान ...	२२८
९१	दक्षसावर्ण ब्रह्मसावर्ण, धर्मसावर्ण रुद्रसावर्ण और रौच्यमन्वन्त- रकथन ...	२२९
९२	रुचिको पितरोंका गार्हस्थ्य उपदेश ...	२३०
९३	रुचिकृतपुत्रस्तव ...	२३२
९४	रुचिको पितरोंका वर- दान ...	२३४
९५	रौच्यमनुका जन्म...	२३६
९६	भात्यमन्वन्तर आरम्भ (१४) शान्तिकृत अग्निस्तोत्र ...	"
९७	भौत्यमन्वन्तर और सर्व मन्वन्तरश्रवण-	

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
	फलकथन...	२४०
९८	राजवंशानुकीर्त्तनआरं- भ और मार्त्तण्डस्वरूप- कथन ...	२४२
९९	वेदमय मार्त्तण्डकी उत्पत्ति ...	२४३
१००	ब्रह्मकृतरविस्तव ...	२४४
१०१	कश्यप प्रजापतिकी सृष्टि और अदिति- कृत दिवाकरस्तुति	२४५
१०२	अदितिके गर्भसे आदित्यका जन्म- ग्रहण ...	२४७
१०३	भानुतनुलेखन ...	२४८
१०४	विश्वकर्माकृतसूर्य- स्तव ...	२५१
१०५	सूर्य सन्तानगणका	

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
	अधिकारलाभ ...	२५२
१०६	राज्यवर्द्धनकी आयु- वृद्धिकामनासे प्रजा- की सूर्यआराधना और विप्रमणकृत मानुस्त्व ...	२५३
१०७	राजा और प्रजागण- की आयुवृद्धि ...	२५७
१०८	सूर्यवेशानुक्रम ...	२५९
१०९	पूषघ्नोपाख्यान ...	२६०
११०	नाभागचरित ...	२६१
१११	प्रमतिशाप ...	२६३
११२	रुपावतीको अग-	

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
	स्त्यजाक भ्राताका शाप	२६४
११३	भलन्दन और वत्सप्री- चरित	२६५
११४	प्रोशुप्रजाति और सनित्रके राज्यका वि- वरण	२६९
११५	सनित्रचरित्र ...	२७१
११६	विर्विशचरित ...	२७२
११७	सनिनेत्रचरित ...	"
११८	करन्धमचरित ...	२७५
११९	अवीक्षितका जन्म और वैशालिनीहरण	२७६
१२०	युद्धमें अवीक्षितका	

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
	बंधन	२७७
१२१	अवीक्षितका उद्धार और वैराग्य	२७८
१२२	अवीक्षितका पितृसे अंगीकार... ..	२८१
१२३	अवीक्षितके द्वारा वैशा- लिनीका उद्धार ...	२८३
१२४	अवीक्षितके संग वैशालिनीका विवाह और मरुत्तराजाका जन्म	२८५
१२५	मरुत्तकी राज्यप्राप्ति	२८७
१२६	मरुत्तके यज्ञका विव- रण और उसके प्रति	

अध्यायः	विषयः	पत्रम्
	पितामही वीराके उप- देशवाक्य	२८९
१२७	नागोंका भामिनीकी शरणमें आना ...	२९०
१२८	मरुत्तचरित ...	२९२
१२९	नरिष्यन्तचरित ...	२९४
१३०	दमचरित, सुमना- स्वयम्बर... ..	२९६
१३१	नरिष्यन्तवध ...	२९८
१३२	वपुष्मान्के वधार्थे दम- की प्रतिज्ञा ...	३००
१३३	वपुष्मान्का वध ...	३०१
१३४	मार्केण्डेय पुराण सुन- नेका फल	३०३

इत्यनुक्रमणिका समाप्ता ।